भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3136

13 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष योजना को प्रोत्साहन देना

3136. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की देश में शैक्षणिक गतिविधियां, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण उपलब्ध कराके आयुष क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो उक्त योजना के घटकों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उक्त कार्यक्रम किस तरीख से शुरू किया जाएगा;

(ग) क्या उक्त योजना के दिशानिर्देशों में निहित प्रावधानों के अनुसार देश भर में पात्र संगठनों/संस्थाओं को कोई वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश में इस योजना के आरंभ होने के बाद से इसमें क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं?

<u>उत्तर</u>
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख) : आयुष मंत्रालय देश में बाह्य अनुसंधान गतिविधियों द्वारा आयुष में अनुसंधान और नवाचार तथा शिक्षा के माध्यम से शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने के लिए आयुर्ज्ञान नामक एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। यह योजना दिनांक 08.06.2021 से प्रभावी है।

इस योजना के तीन घटक हैं नामत: (i) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान और नवाचार और (iii) आयुर्वेद जीवविज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान (एबीआईएचआर)। एबीआईएचआर को योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 से तीसरे घटक के रूप में जोड़ा गया है। योजना के विस्तृत दिशा-निर्देश आयुष मंत्रालय की वेबसाईट (https://ngo.ayush.gov.in/ayurgyan) पर उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, देश में शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के एक भाग के रूप में, भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम संचालित किए गए हैं।

1. छात्रवृत्ति कार्यक्रम

- स्पार्क कार्यक्रम-

  भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने सीसीआरएएस के सहयोग से पिछले वर्ष आयुर्वेद महाविद्यालयों के 100 स्नातक छात्रों के लिए स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर आयुर्वेद रिसर्च केन (स्पार्क) कार्यक्रम शुरू किया था। इसके तहत दो महीने के लिए 25000 रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जा रही है।

- एसपीयूआर कार्यक्रम

  एनसीआईएसएम ने केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) के सहयोग से, शोध संबंधी योग्यता को बढ़ावा देने के लिए स्नातक छात्रों के लिए स्टूडेंटशिप प्रोग्राम फॉर यूनानी रिसर्च (एसपीयूआर) कार्यान्वित करता है। इसके तहत दो महीने के लिए 25000 रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति दी जा रही है।

2. पीजी-स्टार कार्यक्रम-

एनसीआईएसएम ने केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के सहयोग से स्नातकोत्तर शोधार्थियों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान प्रशिक्षण योजना (पीजी-स्टार) शुरू की है।

3. क्षमता निर्माण कार्यक्रम 'शैक्षणिक आयोजना और प्रशासन' - भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने दिनांक 10 जुलाई, 2023 से 26, अप्रैल 2024 तक 20 बैचों में आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी, सोवा-रिग्पा (एएसयूएस) महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम 'शैक्षिक आयोजना और प्रशासन' का आयोजन किया।

4. पीजी-गाइड ओरिएंटेशन कार्यक्रम-

एनसीआईएसएम ने सेंटर फॉर पब्लिकेशन एथिक्स एंड सेंटर फॉर कॉम्प्लिमेंट्री एंड इंटीग्रेटिव हेल्थ (सीसीआईएच) के सहयोग से आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी पद्धतियों के 60 मास्टर प्रशिक्षकों (अर्थात आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर शिक्षण संकाय) को प्रशिक्षित किया है।

(ग) और (घ): इन योजनाओं के तहत, देश भर में पात्र संगठनों/संस्थाओं को योजना के दिशा-निर्देशों में निहित प्रावधानों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। प्रारंभ से अब तक आर्युज्ञान योजना द्वारा हासिल की गई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ निम्न प्रकार हैं:

<u>आयुष घटक में क्षमता निर्माण और सीएमई:</u>

आयुष कर्मियों के लिए क्रमशः 28, 73, 49 और 36 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए वित्त वर्ष 2021-2022 के दौरान 2.70 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.25 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.50 करोड़ रुपये और (दिनांक 09.12.2024 तक) 2.99 करोड़ रुपये तक की निधियाँ जारी/वितरित की गईं।

<u>आयुष घटक में अनुसंधान एवं नवाचार:</u>

वित्त वर्ष 2021-2022 के दौरान 1.76 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2.82 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.00 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 (दिनांक 09.12.2024 तक) के दौरान 2.07 करोड़ रुपये तक की निधियाँ क्रमशः 21, 25, 37 और 16 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी की गईं।

<u>आयुर्वेद जीवविज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान:</u>

वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान 6.16 करोड़ रुपये और (दिनांक 09.12.2024 तक) 19.96 करोड़ रुपये तक की निधियां क्रमशः 2 और 4 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी की गईं।

*****